AMAR UJALA MY CITY Page 5 & 6

# ऑनलाइन करिए आवेदन, डाक से पहुंचेगा प्रमाण पत्र

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब प्रोविजनल सर्टिफिकेट, माइग्रेशन, डुप्लीकेट मार्कशीट आदि के लिए विश्विद्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे। विवि ने शुक्रवार को विद्यार्थियों से जुड़ी 11 सेवाएं ऑनलाइन कर दी हैं। विद्यार्थी इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कर शुल्क जमा करेंगे और एक निर्धारित समय में यह प्रमाण पत्र डाक के माध्यम से उनके घर पहुंचेगा। इस नई योजना का नाम इलेक्ट्रॉनिक एक्सेस टु सर्विसेस ऑफ एग्जामिनेशन (ईज) है, जिसका उद्देश्य अपने नामांकित छात्रों को परीक्षा से संबंधित सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराना है। कोरोना संक्रमण के बीच अपनी काफी सेवाओं, व्यवस्थाओं को विवि ऑनलाइन करने में लगा हुआ है। इसी क्रम में विवि ने एक और कदम आगे बढ़ाया है।

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को ई-सुविधा की शुरुआत की।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को सेवाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय अपने शताब्दी वर्ष में छात्रों के लिए शिक्षण कार्य और अन्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर रहा है। इसमें ऑनलाइन कक्षाएं, आसानी से वेबसाइट पर अध्ययन सामग्री की उपलब्धता और छात्रों की काउंसलिंग भी शामिल है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय ने छात्रों की परीक्षाओं से संबंधित अधिक से अधिक सेवाओं तक ऑनलाइन पहुंच बनाने की व्यवस्था की है। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक, संकायों और विशेष प्रकोष्ठों के सभी डीन, लूटा अध्यक्ष, प्रॉक्टर, डीन स्टूडेंट वेलफेयर आदि उपस्थित थे।

**किसका कितना शुल्क**

| | |
|---|---|
| प्रोविजनल प्रमाण पत्र : ₹1000 | ट्रांसक्रिप्ट : ₹2000 |
| माइग्रेशन प्रमाण पत्र : ₹1000 | मार्क शीट में सुधार (1 वर्ष उपरांत) : ₹500 |
| डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण पत्र : ₹1000 | डुप्लीकेट मार्क शीट : ₹500 |
| डिग्री (5 वर्ष उपरांत) : ₹1200 | स्क्रूटिनी शुल्क प्रति पेपर (विशेष) : ₹1200 |
| डुप्लीकेट डिग्री : ₹1600 | उत्तर पुस्तिका देखना |
| भाषा प्रमाण पत्र : ₹600 | (प्रति पुस्तिका) : ₹300 |

**एक से अधिक प्रमाण पत्र के लिए कर भी सकेंगे आवेदन**

विवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि अभी 11 सेवाएं शुरू की जा रही हैं। निकट भविष्य में और सेवाओं को जोड़ने की दिशा में भी काम कर रहा है। इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए छात्र को ऑनलाइन पंजीकृत होना पड़ेगा। पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय की नामांकन संख्या और रोल नंबर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर देना होगा। क्योंकि सभी भविष्य के पत्राचार केवल उनके पंजीकृत ईमेल आईडी के माध्यम से किए जाएंगे और प्रत्येक ईमेल आईडी केवल एक बार पंजीकृत हो सकती है। आवेदन को सत्यापित करने में 7 से 15 दिन लगेंगे। इसकी सूचना छात्र को पंजीकृत ईमेल आईडी और फोन नंबर पर दी जाएगी। पंजीकृत नंबर से एक से अधिक प्रमाणपत्र के लिए भी आवेदन किया जा सकता है।

NBT Page 7

# अब ऑनलाइन ही सर्टिफिकेट बनवा सकेंगे स्टूडेंट

## लखनऊ यूनिवर्सिटी ने स्टूडेंट्स के लिए शुरू की 'ईज' सेवा, ऑनलाइन मिलेंगी 11 सुविधाएं

■ **एनबीटी, लखनऊ:** एलयू ने स्टूडेंट्स के लिए इलेक्ट्रॉनिक एक्सेस टू सर्विसेस ऑफ एग्जामिनेशन (ईज) की शुरुआत की है। उद्देश्य स्टूडेंट्स को परीक्षा से संबंधित सेवाएं आसानी से उपलब्ध करवाना है।

इसमें प्रमाण पत्र, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, डुप्लीकेट माइग्रेशन सर्टिफिकेट, मूल और डुप्लीकेट डिग्री, लैंग्वेज सर्टिफिकेट, ट्रांसक्रिप्ट, मार्कशीट में सुधार, डुप्लीकेट मार्कशीट जारी करने, स्क्रूटनी और उत्तर पुस्तिका देखने और आवेदन सहित 11 सेवाओं की ऑनलाइन सुविधा मिलेगी। साथ ही एक समय में एक से अधिक प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे। ये प्रमाण पत्र उन्हें डाक द्वारा भी भेजे जाएंगे।

स्टूडेंट्स को अपने दस्तावेज की प्रतियां जेपीजी/ पीडीएफ फाइल 100 से 300केबी के बीच स्कैन करनी होगी। एक वार पंजीकरण पूरा होने के वाद स्टूडेंट्स ईज कार्यक्रम के तहत लॉगिन करके वर्तमान में उपलब्ध सेवाओं में से किसी का चयन कर सकता है और प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकता है। वैरिफिकेशन में 7 से 15 दिन लगेंगे और स्टूडेंट्स को रजिस्टर्ड ईमेल आईडी और फोन नंबर के माध्यम से उनके आवेदन की स्थिति के वारे में सूचित किया जाएगा।

**ये होंगी सुविधाएं और उनकी फीस**

| | |
|---|---|
| अंतिम प्रमाण पत्र: ₹1000 | डुप्लीकेट मार्कशीट: ₹500 |
| प्रवास प्रमाण पत्र: ₹1000 | स्क्रूटिनी शुल्क |
| डुप्लीकेट माइग्रेशन : ₹1000 | प्रति पेपर (विशेष): ₹1200 |
| डिग्री (5 वर्ष उपरांत): ₹1200 | उत्तर पुस्तिका देखना |
| डुप्लीकेट डिग्री: ₹1600 | (प्रति पुस्तिका): ₹300 |
| भाषा प्रमाणपत्र: ₹600 | |
| प्रतिलेख: ₹2000 | |
| मार्क शीट में सुधार | |
| (1 वर्ष उपरांत): ₹500 | |

**चार स्तरीय इंटरनल कलर कोड प्रणाली बनी**

इसके अलावा ईज कार्यक्रम के तहत एक चार स्तरीय इंटरनल कलर कोड प्रणाली भी बनाई है। यह चार स्टेज ग्रीन, ब्लू, ऑरेंज और रेड होगी, जो यह बताएगी कि स्टूडेंट ने जिस सेवा के लिए आवेदन किया है, उसका प्रॉसेस कहां तक पहुंचा।

**फाइनल इयर की परीक्षा को लेकर बनेगी कमिटी**

एलयू ने परीक्षा करवाने और प्रमोट करने को लेकर मंथन करना शुरू कर दिया है। इसे लेकर शुक्रवार को कुलपति ने विवि के कुलसचिव और प्रशासनिक अधिकारियों के संग चर्चा की, जिसमें जल्द कमिटी भी गठित करने पर सहमति वनी। एलयू कुलसचिव विनोद कुमार सिंह ने वताया कि सम्भवतः सोमवार को कमिटी की वैठक की जाएगी, जिसमें परीक्षा करवाने से लेकर स्टूडेंट्स को प्रमोट पर चर्चा की जाएगी।

# यूजी में मेरिट के आधार पर प्रवेश की तैयारी

## लखनऊ विश्वविद्यालय : पीजी में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में इस बार स्नातक के दाखिले प्रवेश परीक्षा के बजाय मेरिट के आधार पर होंगे। वहीं, परास्नातक दाखिले प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होंगे। विवि ने इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है। प्रवेश समिति में इस पर मुहर लगने की पूरी संभावना है। कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए विवि अपनी प्रवेश प्रक्रिया में यह बदलाव करने जा रहा है।

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कोरोना संक्रमण की वजह से सभी जगह व्यापक बदलाव हो रहे हैं। प्रवेश प्रक्रिया भी इससे अछूती नहीं है। स्नातक स्तर पर विवि में इस साल रिकॉर्ड तोड़ आवेदन आए हैं। मौजूदा समय में इनकी प्रवेश परीक्षा कराना भी बड़ी चुनौती है। इसलिए 12वीं के अंकों के आधार पर दाखिला देने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए अलग-अलग बोर्ड के विद्यार्थियों के अंक नॉर्मलाईजेशन करके मेरिट तैयार की जाएगी। परास्नातक स्तर पर प्रवेश प्रणाली में कोई बदलाव नहीं किया गया। प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे। इसका प्रस्ताव लविवि की प्रवेश समिति में रखा जाएगा।

**31 जुलाई आवेदन की अंतिम तारीख :** विवि में स्नातक और परास्नातक दाखिले के लिये आवेदन करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। स्नातक में अब तक 30 हजार और परास्नातक में 11 हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। इस साल आवेदन प्रक्रिया कई बार बढ़ाई है। विवि में इस साल केंद्रीकृत काउंसलिंग के माध्यम से कॉलेजों के दाखिले भी शुरू करने का फैसला किया है। इसमें अब तक करीब 60 कॉलेज जुड़ चुके हैं।

DAINIK JAGRAN Page 6

# लविवि ने विद्यार्थियों के लिए लॉन्च किया ईज पोर्टल

## कुलपति प्रो. आलोक बोले छात्रहित में उठाया गया कदम

जारी, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शताब्दी वर्ष के अवसर पर विद्यार्थी हित में बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने (EASE) इलेक्ट्रॉनिक एक्सेस टु सर्विसेस ऑफ एग्जामिनेशन नाम से एप लांच किया है। इसके तहत नामांकित छात्रों को परीक्षा से संबंधित सुविधाएं आसानी से मुहैया हो सकेंगी।

कुलपति ने बताया कि पोर्टल के जरिए विद्यार्थियों से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में निस्तारित करना होगा। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक, संकायों और विशेष प्रकोष्ठों के सभी डीन, लूटा अध्यक्ष, प्रॉक्टर, छात्र कल्याण के डीन, आइपीपीआर के निदेशक और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि मौजदा समय में अनंतिम प्रमाण पत्र, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट की डुप्लीकेट कॉपी, मूल और डुप्लीकेट डिग्री, लैंग्वेज सर्टिफिकेट, ट्रांसक्रिप्ट, मार्कशीट में सुधार, डुप्लीकेट मार्कशीट जारी करने, स्कूटनी और उत्तर पुस्तिका देखने के लिए आवेदन सहित 11 सेवाएं ऑनलाइन प्रदान की जा रही है।

- अनंतिम प्रमाण पत्र: रु 1000 /-
- प्रवास प्रमाण पत्र: रु 1000 /-
- डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाणपत्र:रु 1000 /-
- डिग्री (पांच वर्ष उपरांत) 1200 / -
- डुप्लीकेट डिग्री: 1600 / -
- भाषा प्रमाणपत्र: 600 / -
- प्रतिलेख: 2000/-
- मार्क शीट में सुधार (एक वर्ष उपरांत): 500 / -
- डुप्लीकेट मार्क शीट: 500 / -
- स्क्रूटनी शुल्क प्रति पेपर (विशेष): 1200 / -
- उत्तर पुस्तिका देखना (प्रति पुस्तिका): 300/-

**पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए एक छात्र के पास तीन चीजें होनी चाहिए**

- एक विश्वविद्यालय नामांकन संख्या और रोल नंबर
- एक मान्य ईमेल आईडी
- एक वैध मोबाइल नंबर

छात्र के पास अपनी ईमेल आईडी होनी चाहिए, क्योंकि भविष्य के सभी पत्राचार केवल उनके पंजीकृत ईमेल आईडी के माध्यम से किए जाएंगे इनके साथ, एक छात्र के पास अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां जेपीईजी / पीडीएफ प्रारूप में स्कैन कर उपलब्ध कराना होगा। जिन्हे आवश्यकता अनुसार अपलोड किया जा सके, और प्रत्येक फाइल 100के बी से 300 केबी के बीच आकार की ही होनी चाहिए। एक बार पंजीकरण पूरा होने के बाद, छात्र कार्यक्रम के तहत लॉगिन करके वर्तमान में उपलब्ध सुविधाओं में से किसी का चयन कर सकता है।

TOI Page 4

# Now, LU students can get all documents online with EASE

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** Lucknow University students will now have 'EASE' of obtaining and submitting documents to the university online.

The facility of Electronic Access to Services of Examination (EASE) makes documents such as answer copies (viewing only), provisional degrees, migration, transcript, scrutiny and others available to students online.

EASE was launched on Friday. Now, students will not need to take rounds of examination departments or wait for weeks to get documents.

"At a time when social distancing is must, we are making efforts to ensure that everything is available online to students so that they need not come to the campus," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. He said the students will get documents via university portal by registering with an email ID. An ID can be registered only once by uploading all required documents. Then, they can select the service they want to avail of.

"The University will take 7-15 days to verify the request and the student will be notified about the status of their request via email and phone," Srivastava said.

In the coming days, more services will be added and the facility will be upgraded. The facility will not only save students' time and energy but also the resources and manpower of the university.

**EASE OF GETTING DOCUMENTS**

| What can LU students obtain online | |
|---|---|
| ➤ Provisional certificate | ➤ Language certificate |
| ➤ Migration certificate | ➤ Transcript |
| ➤ Duplicate migration | ➤ Correction of marksheet |
| ➤ Degree | ➤ Duplicate marksheet |
| ➤ Duplicate degree | ➤ Scrutiny |
| | ➤ View answer copies |

I-NEXT Page 4

# पोर्टल से खत्म होगी छात्रों की प्रॉब्लम

**स्टूडेंट्स के लिए एलयू वीसी ने लांच किया एप, कार्यों के निस्तारण के लिए तय होगी जवाबदेही**

CONCEPT PIC

**हर फाइल 100के बी से 300 केबी के बीच आकार की ही होनी चाहिए.**

**LUCKNOW(17 July):** लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने इलेक्ट्रॉनिक एक्सेस टु सर्विसेस ऑफ एग्जामिनेशन (ईज) नाम से एप लांच किया है. जिससे छात्रों को परीक्षा से संबंधित सुविधाएं आसानी से मुहैया हो सकेंगी. वीसी प्रो. राय ने बताया कि पोर्टल से विद्यार्थियों से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में निस्तारित करना होगा.

**अभी 11 सेवाएं दी जा रही**

वीसी बताया कि अभी अनंतिम प्रमाण पत्र, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट की डुप्लीकेट कॉपी, मूल और डुप्लीकेट डिग्री, लैंग्वेज सर्टिफिकेट, ट्रांसक्रिप्ट, मार्कशीट में सुधार, डुप्लीकेट मार्कशीट जारी करने, स्कूटनी और उत्तर पुस्तिका देखने के लिए आवेदन सहित 11 सेवाएं ऑनलाइन प्रदान की जा रही है. प्रत्येक छात्र के पास अपनी ईमेल आईडी होनी चाहिए, क्योंकि भविष्य के सभी पत्राचार केवल उनके पंजीकृत ईमेल आईडी के माध्यम से किए जाएंगे

| निर्धारित किए गए रेट | |
|---|---|
| अनंतिम प्रमाण पत्र: रु | 1000 |
| प्रवास प्रमाण पत्र: रु | 1000 |
| डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाणपत्र:रु | 1000 |
| डिग्री (पांच वर्ष उपरांत) | 1200 |
| डुप्लीकेट डिग्री: | 1600 |
| भाषा प्रमाणपत्र: | 600 |
| प्रतिलेख: | 2000 |
| मार्क शीट में सुधार (एक वर्ष उपरांत) | 500 |
| डुप्लीकेट मार्क शीट: | 500 |
| स्कूटनी शुल्क प्रति पेपर (विशेष): | 1200 |
| उत्तर पुस्तिका देखना (प्रति पुस्तिका): | 300 |

**इसे भी जानें**

इन सुविधाओं के लिए छात्र को ऑनलाइन पंजीकृत होना पड़ेगा. पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए, एक छात्र के पास तीन चीजें होनी चाहिए:

- एक विश्वविद्यालय नामांकन संख्या और रोल नंबर
- एक मान्य ईमेल आईडी
- एक वैध मोबाइल नंबर

**करना होगा लॉगइन**

इनके साथ, एक छात्र के पास अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां जेपीईजी / पीडीएफ प्रारूप में स्कैन कर उपलब्ध कराना होगा. जिन्हे आवश्यकता अनुसार अपलोड किया जा सके, और प्रत्येक फाइल 100के बी से 300 केबी के बीच आकार की ही होनी चाहिए. एक बार पंजीकरण पूरा होने के बाद, छात्र कार्यक्रम के तहत लॉगिन करके वर्तमान में उपलब्ध सुविधाओं में से किसी का चयन कर सकता है.

HINDUSTAN Page 7

## मार्कशीट, डिग्री में सुधार, माइग्रेशन जैसे काम पोर्टल से हो जाएंगे

# सुविधा: लविवि ने छात्रों के लिए शुरू किया ईज पोर्टल

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में मार्कशीट व डिग्री में नाम, अंकों आदि की त्रुटि सही कराने में छात्रों को एक-एक साल लग जाता था। डिग्री, मार्कशीट व माइग्रेशन बनवाने के लिए चक्कर काटने पड़ते थे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अब छात्रों की कई समस्याएं एक क्लिक पर दूर होंगी।

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को ईज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सेस टु सर्विस ऑफ एग्जामिनेशन पोर्टल की शुरुआत की। अधिकतर काम ऑनलाइन फीस देकर इसी पोर्टल से हो जाएंगे। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि त्रुटियां दूर करने व अन्य कार्यों के लिए दस्तावेजों की प्रतियां स्कैन करनी होंगी। पंजीकरण के बाद छात्र लॉग-इन कर सकेंगे। विवि प्रशासन 7 से 15 दिनों के बीच दस्तावेजों की जांच के बाद डिग्री व मार्कशीट घर भेज देगा।

**किस काम के लिए कितनी फीस**

- अंतिम प्रमाण पत्र : रु 1000
- प्रवास प्रमाण पत्र : रु 1000
- डुप्लीकेट माइग्रेशन : रु 1000
- डिग्री (5 वर्ष उपरांत) : रु 1200
- डुप्लीकेट डिग्री : रु 1600
- भाषा प्रमाणपत्र : रु 600
- प्रतिलेख :रु 2000
- मार्क शीट में सुधार : रु 500
- डुप्लीकेट मार्क शीट : रु 500
- स्कूटिनी शुल्क प्रति पेपर (विशेष) : रु 1200
- उत्तर पुस्तिका देखना (प्रति पुस्तिका) : रु 300

PIONEER Page 4

**छात्रों को ऑनलाइन सर्टिफिकेट के लिए एलयू ने शुरू की ईज सेवा**

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्टूडेंट्स को परीक्षा से संबंधित सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराने के लिए इलेक्ट्रॉनिक एक्सेस टू सर्विसेस ऑफ एग्जामिनेशन (ईज) को शुरू करने का निर्णय लिया है। इस सेवा के शुरू होने से स्टूडेंट्स को प्रमाण पत्र, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, माइग्रेशन की डुप्लीकेट कॉपी, मूल और डुप्लीकेट डिग्री, लैंग्वेज सर्टिफिकेट, ट्रांसक्रिप्ट, मार्कशीट में सुधार, डुप्लीकेट मार्कशीट जारी करने, स्कूटनी और उत्तर पुस्तिका देखने के लिए आवेदन सहित 11 सेवाओं की ऑनलाइन सुविधा मिलेगी।

THE PIONEER Page 4

# University gives 'EASE' of access to students

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University has made arrangements for students to access as many services related to examinations online as possible. Vice-Chancellor AK Rai launched the new scheme called 'EASE' (Electronic Access to Services of Examination) on Friday, which is aimed at making services related to examinations easily available to the enrolled students. Media spokesperson Durgesh Srivastava said the scheme was launched so that the administrative processes became easier and smoother for students.

"Currently, 11 services, including application and issuance of a provisional certificate, migration certificate, duplicate copy of migration certificate, original and duplicate degrees, language certificate, transcripts, correction of marksheets, issuance of a duplicate marksheets, scrutiny and application to view answersheets, are being provided online with a fee amount," he said.

He pointed out that the university was working towards adding more services in near future. "In order to avail these services, a student must be registered online. In order to complete the registration process, a student must have three things — a university enrolment number and roll number, valid email ID and mobile number"

He said each student must have their own email IDs as all future correspondence would be done via their registered email IDs only, and each email ID could only be registered once. "Along with these, a student must have scanned copies of all the required documents. Once registration is complete, a student may select any of the currently available services under the EASE programme and apply for a certificate. The university will take 7-15 days to verify the documents," he said.

Under the EASE scheme, students will be able to monitor the status of their application online and apply for more than one certificate at one given time. "In order to ensure that students are provided with their requested service within a strict time period, the university has created a 4-level internal colour-coded system. The four levels — green, blue, orange and red — indicate that a student's application for a service is fresh, processing, on time and over-due, respectively. This system has been put in place for internal quality assurance and to guarantee timely delivery of the students' desired services," he added.

# परीक्षा और प्रोन्नति के लिए कमेटी का गठन

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

शासन से छात्रों की परीक्षा व प्रोन्नति के निर्देश जारी होने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन अब परीक्षा और प्रोन्नति के मानकों के लिए कमेटी का गठन करेगा। कुलसचिव डॉ विनोद सिंह ने बताया कि कुलपति के निर्देश के बाद सभी विभागों के संकायाध्यक्षों ने परीक्षा को लेकर रणनीति बनाना शुरू कर दी है। इसे लेकर सोमवार को बैठक होगी। बैठक में तय होगा कि अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षा के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग, परीक्षा के चरण, संक्रमण से बचाव के उपाय, परीक्षा के मोड पर चर्चा की जाएगी।

PIONEER Page 4

# राहु को पृथ्वी की छाया मानने का सिद्धांत भास्कराचार्य ने दिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**● वेबिनार संगोष्ठी में वक्ताओं ने व्यक्त किए अपने विचार**

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बृजेश कुमार शुक्ला ने ज्योतिर्विज्ञान की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रहों की कक्षा में चतुर्थ कक्षा के ग्रह के नाम पर उस दिन का नामकरण किया जाता है। अत: आज शुक्रवार ही क्यों है, इसका वैज्ञानिक कारण कालहोरा के सिद्धांत के रूप में ज्योतिष में बताया गया है। राहु को पृथ्वी की छाया मानने का सिद्धांत भास्कराचार्य ने बताया है। प्रो शुक्ला विवि के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार संगोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे।

प्रो. शुक्ला ने कहा कि भास्कराचार्य ने लीलावती में पाई के स्थूल तथा सुक्ष्म मान पर प्रकाश डाला है । बृहत्संहिता के दकार्गल में भूगर्भ विज्ञान के सूत्र विद्यमान हैं। अनेक जलशिराओं का वर्णन प्रयोग सिद्ध है। परीक्षण नलिका से शिशु उत्पादन की विधि भी संस्कृत वाड्मय में बताई गई है। वसन्तराज शकुन ग्रंथ में पशु पक्षियों की चेष्टाओं का वर्णन है। चरक संहिता में वनस्पतियों तथा वृक्षों का स्वरूप लक्षण तथा स्वास्थ्य चिकित्सा में उनका उपयोग वर्णित है। भवन निर्माण, मंदिर निर्माण तथा विमान शास्त्र का वैज्ञानिक निरूपण संस्कृत वाड्मय में निरूपित है। प्रोफेसर गंगाधर पंडा, कुलपति कोल्हान विश्वविद्यालय ने वृक्षों वनस्पतियों के भेद प्रभेद पूर्वक उनके विकास के साथ सामुद्रिक शास्त्र में स्त्री पुरुषों के लक्षण, धर्मशास्त्र संस्कारों की विधि तथा काल की वैज्ञानिक प्रक्रिया के साथ उपनयन, कर्णवेध, विवाह आदि संस्कारों की वैज्ञानिक दृष्टि पर प्रकाश डाला। थाईलैंड स्थित शिल्पकार्न यूनिवर्सिटी के संस्कृत अध्ययन केंद्र के निर्देशक प्रोफेसर सोंबत् मांगमीसुखश्री ने आयुर्वेद एवं योग विज्ञान के ऊपर अपना वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। थाईलैंड में आयुर्वेद का ज्ञान तथा वहां पर उपलब्ध कंबोडिया लिपि में संस्कृत की पांडुलिपियों के बारे में सब को अवगत कराया।

AMRIT VICHAR Page 2

# लखनऊ विवि में शुरू हुई ईएएसई सुविधा

## छात्रों की परीक्षा से जुड़ी संबंधित सेवाएं होंगी आसान, कुलपति प्रो. आलोक राय ने दी जानकारी

अमृत विचार लखनऊ

कोविड -19 वायरस के खिलाफ लड़ाई में लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब तक कई कदम उठाये हैं। विश्वविद्यालय ने शताब्दी वर्ष में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि छात्रों के लिए एक नई योजना शुक्रवार से शुरू की गयी है जिसका नाम इलेक्ट्रॉनिक एक्सेस टु सर्विसेस ऑफ़ एग्जामिनेशन (ईएएसई) कुलपति ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य अपने नामांकित छात्रों को परीक्षा से संबंधित सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराना है। इस सुविधा का शुरूआत कुलपति कार्यालय के कमेटी हाल में सामाजिक रूप से दूरी बनाते हुए की गयी। कुलपति प्रो. आलोक राय ने इस दौरान कहा कि प्रशासनिक प्रक्रिया छात्रों के लिए आसान और सुगम होनी चाहिए। वर्तमान में, एक अनंतिम प्रमाण पत्र, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट की डुप्लीकेट कॉपी, मूल और डुप्लीकेट डिग्री, लैंग्वेज सर्टिफिकेट, ट्रांसक्रिप्ट, मार्कशीट में सुधार, डुप्लीकेट मार्कशीट जारी करने, स्कूटनी और उत्तर पुस्तिका देखने के लिए आवेदन सहित 11 सेवाएं ऑनलाइन प्रदान की जा रही है। विश्वविद्यालय निकट भविष्य में और सेवाओं को जोड़ने की दिशा में भी काम कर रहा है।

**छात्रों को करना होगा ऑनलाइन पंजीकरण :** कुलपति ने बताया कि इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए, एक छात्र को ऑनलाइन पंजीकृत होना पड़ेगा। पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए, एक छात्र के पास 3 चीजें होनी चाहिए जिसमें एक विश्वविद्यालय नामांकन संख्या और रोल नंबर, ईमेल आईडी, एक वैध मोबाइल नंबर जरूरी है।

**7 से 15 दिनों का लगेगा समय :** एक बार पंजीकरण पूरा होने के बाद, छात्र ईएएसई कार्यक्रम के तहत लॉगिन करके वर्तमान में उपलब्ध सेवाओं में से किसी का चयन कर सकता है और प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकता है। विश्वविद्यालय को अनुरोध को सत्यापित करने के लिए 7-15 दिन लगेंगे, छात्र को पंजीकृत ईमेल आईडी और फोन नंबर के माध्यम से उनके आवेदन की स्थिति के बारे में सूचित किया जाएगा।

**छात्र अपने ऑनलाइन आवेदन की कर सकेंगे निगरानी :** छात्र अपने आवेदन की स्थिति की ऑनलाइन निगरानी कर सकेंगे और एक ही समय में एक से अधिक प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे। ये प्रमाण पत्र उन्हे डाक द्वारा भी भेजे जाएंगे।

**सेवाओं के हिसाब से देनी होगी फीस**

● अनंतिम प्रमाण पत्र के लिए 1000 रुपए। ● प्रवास प्रमाण पत्र के लिए 1000 रुपए। ● डुप्लिकेट माइग्रेशन प्रमाणपत्र के लिए 1000 रुपए। ● डिग्री (5 वर्ष उपरांत) 1200 रुपए। ● डुप्लीकेट डिग्री के लिए 1600 रुपए। ● भाषा प्रमाणपत्र के लिए 600 रुपए। ● प्रतिलेख के लिए 2000 रुपए। ● मार्क शीट में सुधार (1 वर्ष उपरांत) 500 रुपए। ● डुप्लीकेट मार्क शीट के लिए 500 रुपए। ● स्कूटिनी शुल्क प्रति पेपर (विशेष) 1200 रुपए। ● उत्तर पुस्तिका देखना (प्रति पुस्तिका के लिए 300 रुपए।

# LU might adopt merit-based admissions for UG courses

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** The Lucknow University is planning to replace its entrance test for admissions to undergraduate courses with merit system on the basis of marks obtained in class 12 this year.

The proposal was moved in view of the pandemic as it would not be possible for LU to hold entrance test.

If the proposal is adopted by the admission committee, the merit-based system will be back in LU after a gap of four years.

At least 40,000 students have applied for UG courses and the late date for applications is July 31. LU followed merit system for 16 years till 2015 after which entrance test was revived.

LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai said, "Students from across the country and the state apply for admission to the university. In times of coronavirus outbreak, we have to take safety of students into consideration." If the university admits students at UG level through merit system, the associated colleges which have opted for admissions under the university's newly-introduced centralized admission system will get students through merit system.

**COVID CAUTION?**

The move will relieve thousands of students from the stress of traveling or moving within the city to appear for the entrance examination.

All students will only have to upload the required documents from the comfort of their homes.

# LU prof in World Book of Records

**Faculty member of Lucknow University's physical education department Neeraj Jain made it to the World Book of Records for serving both as the president and general secretary of the LU Students' Union and LU Teacher's Association. "This certificate of honour is not for me, but for LU which has made me what I am today," said Jain.**